जन्म :– आषाढ मास की पूर्णिमा को राजस्थान केअलवर जिले के जौनायचा खुर्द गाँव में हुआ था । उनके पिता पं० शिवचरण शर्मा एक गरीब किसान थे, माता सरबती देवी दया की प्रतिमूर्ती थी । अपनी पाँच बहनों और दो भाई में प्रिय ,इन्हे देश एंव मानव सेवा में बहुत रूचि है ।
विवाह सीमा देवी , से जो कि एक समाज सुधारक नारी है ।
दो पुत्रियाँ–तनु एवं मनु

शिक्षा :– बी.एस.सी(गणित), एम.ए–(अंग्रेजी, हिन्दी),बीएड, एम.फ़िल(प्रसाद साहित्य में नारी की द्सा एवं दिशा), पीएच. डी

वार्ताएँ : – आकाशवाणी से हिन्दी पाठ एवं वार्ताएँ प्रसारित

सेवाएँ :– बी.एस.सी की परीक्षा समाप्त होते ही २० वष की आयु मे इन्हे हर्षिता आँरगेनिक लिमिटेड कम्पनी में कमिस्ट पद पर नौकरी मिली गई थी । लेकिन इन्होने तो देश के लिए अच्छे नागरिक तैयार करनेछ की ठानी थी इसलिए इस पद को त्याग कर आध्यापक बनने की तैयारी में जुट गए । राजस्थान राज्य लोक सेवा आयोग पास कर शिक्षक पद पर कार्यरत, दो बार हरियाणा राज्य लोक सेवा आयोग, (स्नातक शिक्षक गणित एवं स्नात्कोत्तर शिक्षक प्रतियोगिता), दो बार केन्द्रीय विद्यालय संगठन (स्नात्कोत्तर शिक्षक प्रतियोगिता), दो बार नवोदय विद्यालय समिति , स्नात्कोत्तर शिक्षक प्रतियोगिता पास करने के बाद वर्तमान में नवोदय विद्यालय समिति में स्नात्कोत्तर शिक्षक (हिन्दी) पद पर कार्यरत हैं ।

हेमन्त कुकरेती बहुमुखी प्रतिभा से ध्नी है। उन्होने अपनी प्रतिभा के बल पर हिन्दी कविता को एक नई दिशा प्रदान की है। जिस तरह से अंतरंगता से व्यापकता तक हेमन्त जाते हैं उससे उनके विलक्षण और प्रखर काव्य-सामथर्य का पता लगता है। उनकी कविताएँ वे कविताएँ हैं जो हर युग में जीवित रहेगी। जिस भी काल में पढ़ी जायेंगी वे उसी युग की होकर भाव प्रस्तुत करेगी। इनके काव्य में विविध् मानवीय संवदेनाओं को देखा जा कसता है।
इसी कारण समाज की सभ्यता एवं संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करने में सक्षम है मानवीय मूल्यों एवं मनुष्यता को हर युग में बचाये रखने का संदेश देती रहेगी। उनकी कविताओं में मशीनी युग की आपाधपी, अपराध्, स्वार्थध्न्य और भ्रष्ट तन्त्रा में मानवीयता को बचाने की चिन्ता हैय नैतिकता को प्रतिष्ठित करने में सक्षम है।
आज की युवा कविता में कहीं कहीं जो एक निराशा, पराजयवाद या कातरता आ जाती है। हेमन्त कुकरेती की कविताओं में ये देखने को भी नहीं मिलती है। उनकी कविताओं में आत्मविश्वास, आशा एवं उम्मीद है। इन्हीं विशेषताओं के कारण ही यह अनुसंधन मेरे लिए बहुत ही रूचिकर रहा है। कविताओं में समाज द्वारा बिसरा दी गई समान्य चीजे, व्यक्ति और घटनाओं आदि का वर्णन मुझे बहुत ही आकर्षक एवं मनोनुकूल लगा ।

ISBN 978-1-312-45515-3
90000
9 781312 455153

हिन्दी के नए हस्ताक्षर-हेमन्त कुकरेती का काव्य: एक विश्लेषण

डॉ सत्यनारायण शर्मा

हिन्दी के नए हस्ताक्षर-हेमन्त कुकरेती का काव्य: एक विश्लेषण